

ओं ओं ओं श्रीं श्रीं श्रीं (ध्वजबंध)

राग: गंभीर नाट ताळ: आदि

पल्लवि:

ओं ओं ओं श्रीं श्रीं श्रीं
श्रीं श्रीं श्रीं ओं ओं ओं
ललिता त्रिपुर सुंदर्यै नमः
शरणु बंदेनु निन्नय पादके

चरण :

ललिते वरदे करुणेय चरितळे
लीलैगळिंद नैलेसिदे जगदि ...१

तामसगळनेल होगलाडिसु
त्रिगुणतत्त्वव तोरिसि ननगे ...२

पुरुषोत्तमन आत्मदर्शळे
रचनापूर्णळु शिष्ट विचारळे ...३

सुंदरि शिवन करहिडिदवळे
सच्चिदानंदिनि नमो नमो ...४